# नृत्यांगना महुआ शंकर ने दी यादगार पेशकश

**कला**

**स्पिक मैके के कार्यक्रम में बताया कथक का महत्व**

**सहारनपुर।** विश्व नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में स्पिक मैके के सहारनपुर चैप्टर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मशहूर नृत्यांगना महुआ शंकर ने मनमोहक प्रस्तुति दी। दर्शकों से संवाद साधते हुए उन्होंने कथक के इतिहास और महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

आईपीटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महुआ शंकर, एचके बंसल, जेएस उपाध्याय, विवेक कुमार ने दीप प्रज्जवलन से किया। छात्र प्रभात, श्रीकेत, सौरभ ने महुआ, नुपुर शंकर, गुलाम वारिस एवं सलमान का पुष्प भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना से हुई। कथक का इतिहास बताते हुए महुआ ने अपने गुरु पद्मविभूषण पंडित बिरजू महाराज के कथक प्रयोग से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि गुरु बिरजू महाराज ने कई ठुमरियां लिखी हैं और कथक के बोलों को प्रकृति से जोड़ा है। इस तरह जानवरों की आवाज, उनकी चाल और मुद्राओं का प्रयोग करके कथक को नया आयाम दिया। उन्होंने हिरण की चाल से लेकर घोड़े और योद्धा की मुद्राओं को नृत्य के माध्यम से बखूबी समझाया।

नृत्यांगना महुआ ने आज और बीते कल के कथक में फर्क भी बताया। आज का कथक दर्शक और कलाकार के बीच लगातार तन्मयता बनाए रखता है। अंत में श्री बंसल और श्री उपाध्याय ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में अशोक कौशिक, वीना सिंह, मीनाक्षी जैन, पिंकी, शैफाली और स्पिक मैके परिवार के अन्य सदस्यों सहित डिप्टी कमांडेंट प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।